



Literacy for a Billion

Movie: Vivah

Year: 2006

Song: Radhe krishna ki jyot aloukik

Lyricist: Ravindra Jain

राधे कृष्ण की ज्योत अलौकिक  
तीनों लोक में छाए रही है  
भक्ती विवश एक प्रेम पूजारिन  
फिर भी दीप जलाए रही है  
कृष्ण को गोकुल से राधे को  
कृष्ण को गोकुल से राधे को  
बरसाने से बुलाए रही है  
दोनों करो स्वीकार कृपा कर  
जोगन आरती गाए रही है  
दोनों करो स्वीकार कृपा कर  
जोगन आरती गाए रही है

भोर भाये ती सांज ढले तक  
सेवा करूँ इतने महामारू  
स्नान कराए वो वस्त्र ओढ़ाए वो  
भोग लगाए वो लागत प्यारो  
कब से निहारत आपकी ओर  
कब से निहारत आपकी ओर  
की आप हमारी ओर निहारों  
राधे कृष्ण हमारे धाम को  
जानी वृंदावन धाम पधारो

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*